तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि
वनांचल भूमि
रायपुर, गुरुवार 29 अक्टूबर 2026

बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर

10 बारिश और ठंडी हवाओं से बढ़ी ठिठुरन अलाव का...



12 जाली दस्तखत कर हड़प ली खाद...



खबर संक्षेप

पर्यटकों के लिए कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान खुला

जगदलपुर। जिले के कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान अंतर्गत गुफाएं एवं अन्य पर्यटन स्थल आगामी 15 जून तक आम पर्यटकों के लिए खुले रहेंगे। साथ ही कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान में स्थित तीरथगढ़ जलप्रपात पर्यटकों के अवलोकन हेतु नियमित तौर पर खुला रहेगा। यह जानकारी देते हुए निदेशक ने बताया कि गुफा में प्रवेश करने हेतु निर्धारित समय सुबह 8 से दोपहर 3 बजे तक रहेगा।

त्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन के प्रेक्षक नियुक्त

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग ने डिप्टी कलेक्टर दन्तेवाड़ा मूलचन्द चोपड़ा मोबाइल नंबर 83199-64191 को बस्तर जिले के त्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन 2026 के निर्वाचक नामावली तैयारी पुनरीक्षण कार्य हेतु प्रेक्षक नियुक्त किया है। प्रेक्षक नियुक्त होने के उपरांत वे सर्किट हाऊस जगदलपुर में ठहरे हुए हैं। सर्व साधारण निर्वाचन कार्य के संबंध में उनसे कार्यालयीन समय प्रातः 11 से दोपहर 1 बजे तक सम्पर्क कर सकते हैं।

चेराकुर में नवनिर्मित आंगनबाड़ी भवन का लोकार्पण



जगदलपुर। मंगलवार को बस्तर विकास खंड अंतर्गत ग्राम पंचायत चेराकुर में नवनिर्मित आंगनबाड़ी भवन का लोकार्पण किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप ने भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित व पूजा-अर्चना कर इस नवीन भवन को ग्रामीणों एवं नौनिहालों को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के सर्वांगीण विकास, प्राथमिक शिक्षा और उत्तम पोषण की सबसे मजबूत आधारशिला होते हैं। आकर्षक चित्रों, वर्णमाला व बाल-सुलभ आकृतियों से सुसज्जित इस नए भवन के बनने से नन्हे बच्चों को सुरक्षित, प्रेरणादायक व अनुकूल वातावरण मिलेगा। इससे केंद्र के संचालन सहित विभिन्न पोषण और स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा सकेगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में उत्कृष्ट अधोसंरचना और जनसेवा के कार्य निरंतर प्राथमिकता के साथ जारी रहेंगे। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष संतोष बघेल, स्थानीय जनप्रतिनिधि, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, बच्चे एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्रयास आवासीय विद्यालय में 9वीं में प्रवेश हेतु चयन सूची जारी

जगदलपुर। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत राज्य में संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों के शैक्षणिक सत्र 2026-27 की कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु मेरिटवार चयन सूची जारी कर दी गई है।

तूफान से निपटने बिजली कंपनी अलर्ट : फाल्ट पर तत्काल काटेंगे सप्लाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

संभावित तूफान और खराब मौसम की आशंका को देखते हुए विद्युत कंपनी ने कमर कस ली है। मौसम के बिगड़ते मिजाज के बीच बिजली व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए विभाग ने व्यापक तैयारियां की हैं। इसके तहत सभी तकनीकी कर्मचारियों को अलर्ट रहने के निर्देश जारी किए गए हैं।

वहीं सब-स्टेशन प्रभारियों को भी विशेष सतर्कता बरतने और किसी भी तरह की सूचना पर तत्काल कार्रवाई करने को कहा गया है। कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार खराब मौसम के दौरान बिजली के खंभे और तार क्षतिग्रस्त होने अथवा लाइन में फाल्ट आने की आशंका रहती है। इसे देखते हुए विभाग ने सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि कहीं भी बिजली का तार टूटकर गिरने या अन्य तकनीकी खराबी की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाए। किसी भी बड़ी या गंभीर समस्या की स्थिति में संबंधित क्षेत्र की बिजली सप्लाई तुरंत बंद कर दी जाएगी, ताकि जनहानि और दुर्घटनाओं की आशंका को टाला जा सके।

जरूरी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की

विद्युत कंपनी जगदलपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक टीके मेश्राम ने बताया कि त्वरित राहत और मरम्मत कार्य के लिए पर्याप्त वाहनों एवं जरूरी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। मौसम की वजह से कहीं भी बिजली आपूर्ति बाधित होने पर तत्काल सुधार कार्य शुरू किया जा सके और उपभोक्ताओं को लंबे समय तक परेशानी का सामना न करना पड़े।

तकनीकी कर्मचारियों और सब-स्टेशन प्रभारियों को सतर्क रहने के निर्देश





आपातकालीन स्थिति के लिए रहे तैयार

विद्युत कंपनी जगदलपुर वृत्त के अधीक्षण अभियंता केव्ही मैथ्यू ने बताया कि कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया है कि क्षतिग्रस्त लाइन की मरम्मत पूरी होने और सुरक्षा की जांच सुनिश्चित किए बिना बिजली आपूर्ति दोबारा शुरू नहीं की जाएगी। तूफान के दौरान संभावित बाधाओं से निपटने के लिए विभाग से जुड़े ठेकेदारों और उनकी टीमों को भी आपातकालीन स्थिति के लिए तैयार रहने को कहा गया है।

शहर में रुक-रुककर हुई हल्की बूंदाबांदी, हवा की रफ्तार भी रही धीमी

बस्तर संभाग में अर्नब का पहले दिन नहीं दिखा खास असर, सामान्य रहा जनजीवन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान अर्नव का बुधवार शाम तक बस्तर संभाग में कोई खास असर नहीं दिखा। जगदलपुर शहर में दिनभर रुक-रुककर हल्की बूंदाबांदी होती रही, जबकि हवा की रफ्तार भी धीमी रही। मौसम में बदलाव के बावजूद जनजीवन सामान्य रहा और दैनिक गतिविधियां प्रभावित नहीं हुईं। जबकि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग रायपुर और जिला प्रशासन की ओर से 29 अक्टूबर गुरुवार के लिए अलर्ट जारी किया गया है और लोगों को सतर्क रहने की अपील की है।

बुधवार शाम तक जगदलपुर में तेज बारिश और हवा जैसी स्थिति सामने नहीं आने से शहर के बाजारों, सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर सामान्य चहल-पहल बनी रही। लोगों की आवाजाही और रोजमर्रा के कामकाज पर भी कोई खास असर नहीं पड़ा। चक्रवात अर्नब के प्रभाव को देखते हुए बस्तर संभाग में 29 अक्टूबर को भारी से अति भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र (जेडएआरएस), कुम्हरावंड ने मौसम के पूर्वानुमान के आधार पर किसानों के लिए ⏭ शेष पेज 10 पर

क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र ने जारी की एडवायजरी

सुबह तक 13.8 मिमी, दोपहर में 0.6 मिमी बारिश

कृषि विश्वविद्यालय, कुमारवंड से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जगदलपुर में बुधवार सुबह 8.30 बजे तक 13.8 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। वहीं, दोपहर 2.30 बजे तक 0.6 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। इस तरह दोनों निर्धारित समयों पर दर्ज वर्षा का कुल आंकड़ा 14.4 मिलीमीटर रहा। फिलहाल शाम 6 बजे तक की स्थिति में बस्तर में चक्रवात का खास प्रभाव नजर नहीं आया। हालांकि, मौसम की स्थिति में आगे बदलाव की संभावना को देखते हुए मौसम विभाग के पूर्वानुमान और जिला प्रशासन की एडवाइजरी पर नजर रखना जरूरी है।

आज भारी से अति भारी बारिश की चेतावनी 90 किमी की रफ्तार से चल सकती हैं हवाएं

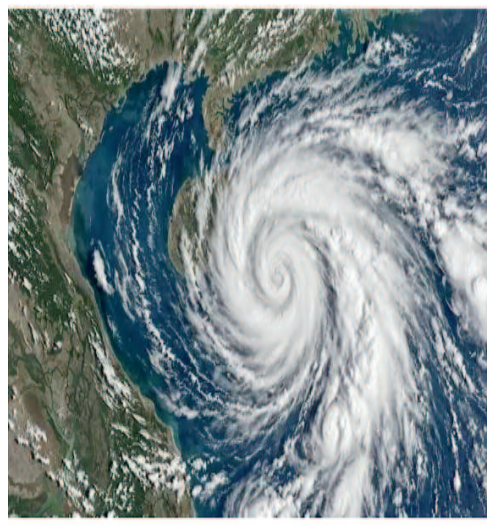

खड़ी फसल की कटाई फिलहाल टालें

मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए किसानों को तेज हवा और बारिश के दौरान खेतों में काम नहीं करने की सलाह दी गई है। धान, दलहन और तिलहन की खड़ी फसल यदि पकने की अवस्था में है, तो फिलहाल कटाई टालने को कहा गया है। पहले से काटी गई फसलों को खुले में रखने के बजाय सुरक्षित और ऊंचे स्थान पर रखने तथा खेतों में जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने की सलाह दी गई है।

सब्जियों और बागवानी का रखें ध्यान

सब्जियों और बागवानी फसलों में जल निकासी का तत्काल प्रबंध करने, पकी हुई सब्जियों की जल्द तुड़ाई करने तथा केले की फसल को सहारा देने को कहा गया है। लता वाली सब्जियों को सहारे से बांधकर रखने की सलाह भी दी गई है। इसके अलावा, मौसम सामान्य होने तक उतेरा और अलसी की बुवाई कुछ दिन टालने तथा रबी फसलों की बुवाई नवंबर के पहले सप्ताह में मौसम साफ होने के बाद करने की सलाह दी गई है।

पेड़ों के नीचे न बांधें मवेशी

केंद्र ने पशुपालकों को पशुओं को खुले में नहीं छोड़ने और पेड़ों के नीचे नहीं बांधने की सलाह दी है। पशुओं को सूखे एवं सुरक्षित स्थान पर रखने के साथ चारा, भूसा और पीने के पानी को सुरक्षित रखने तथा पशुबाड़े में साफ-सफाई और जल निकासी बनाए रखने पर जोर दिया गया है।

31 अक्टूबर तक बना रहेगा असर

क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र द्वारा जारी पत्र में बताया गया है कि 30 और 31 अक्टूबर को भी संभाग के विभिन्न जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक की संभावना बनी रहेगी। एक नवंबर को हल्की बारिश हो सकती है, जबकि कुछ स्थानों पर गरज-चमक का असर बना रह सकता है।

सवा 4 लाख का गांजा बरामद यूपी के दम्पति गिरफ्तार



- ओडिशा से गांजा लाकर मथुरा जाने की फिराक में थे
- एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज, भेजा गया जेल

जगदलपुर। ओडिशा से गांजा लेकर यूपी जाने की फिराक में वाहन का इंतजार कर रहे दो आरोपियों को नगरनार पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 4.25 लाख का गांजा बरामद किया गया है। गांजा तस्करी की सूचना पर आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए एसपी शलभ कुमार सिन्हा व एएसपी सुखनंदन राठौर के निर्देश, सीएसपी अंशिका जैन के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक विकेश तिवारी के नेतृत्व में थाना स्तर पर टीम गठित किया गया था।

टीम को सूचना मिली थी कि एक लड़का व एक लडकी अपने संयुक्त कब्जे के नीला रंग के बैग में अवैध मादक पदार्थ गांजा रखकर वाहन की तलाश में धनपुंजी आरटीओ नाका के पास मौजूद है। सूचना पर मौके पर पहुंची टीम एनएच 63 मेन रोड धनपुंजी के पास पहुंचकर दोनों को हिरासत में लिया। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम नरेन्द्र दास 21 वर्ष व संचिता दास पति नरेन्द्र दास 20 वर्ष दोनों निवासी मलहागली वृन्दावन गेट मधुरा जिला मथुरा यूपी का होना बताया। आरोपियों के संयुक्त कब्जे से 4 पैकेट मादक पदार्थ गांजा कुल 8.500 किलो कीमत 4 लाख 25 हजार के अलावा 120 रुपए नगद व मोबाइल बरामद कर जब्त किया गया। आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ धारा 20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर एनडीपीएस न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमाण्ड में जेल भेजा गया।

इनकी रही अहम भूमिका

गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेजने में निरीक्षक विकेश तिवारी के अलावा एसआई सतीश यदुराज, प्रशिक्षु उपनिरीक्षक शंकुतला, आरक्षक दशरू नाग, यशवंत ध्रुव, विक्रम उरांव व सैनिक जगन्नाथ नाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

तकनीकी सहायक बर्खास्त, दो का इस्तीफा

वीबी-जी रामजी योजना में लापरवाही पर जिला पंचायत सीईओ ने की कार्रवाई

जगदलपुर। बस्तर जिले में वीबी-जी रामजी योजनांतर्गत कुल 1807 कार्यों के लिए 5561.34 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। पर्याप्त संख्या में कार्यों की स्वीकृति एवं बजट उपलब्ध होने के बावजूद जिले में क्रियान्वयन और प्रगति की स्थिति खराब पाए जाने पर जिला पंचायत सीईओ तन्मय खन्ना ने गंभीरता से संज्ञान लेकर संबंधितों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की है।

समीक्षा के दौरान पाया गया कि कुछ तकनीकी सहायकों द्वारा अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन नहीं किया जा रहा था। कार्य निष्पादन में कमी एवं अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर जिला पंचायत सीईओ द्वारा सख्त रुख अपनाते हुए चार तकनीकी सहायकों पर कार्रवाई की गई है। दायित्व निर्वहन में कोताही बरतने के कारण दो तकनीकी सहायकों ने त्यागपत्र प्रस्तुत किया है। वहीं खराब प्रदर्शन के आधार पर एक तकनीकी सहायक की सेवा समाप्त की गई है तथा एक अन्य की सेवा वृद्धि रोक दी गई है।

मानव दिवस सृजन में तेजी लाने के निर्देश

सीईओ ने निर्देशित किया है कि पर्याप्त बजट होने के बावजूद निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रगति नहीं होना गंभीर विषय है। मैदानी स्तर पर कार्यों को समय पर प्रारंभ कराने, अधिकाधिक श्रमिकों का नियोजन सुनिश्चित करने तथा मानव दिवस सृजन में तेजी लाने के लिए कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जा रही है। साथ ही कार्यों की गुणवत्ता एवं समय-सीमा का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

लापरवाही पर आगे भी होगी कार्रवाई

जिला पंचायत सीईओ ने स्पष्ट कहा कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। स्वीकृत कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने, श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने तथा जिले की प्रगति को राज्य स्तर पर निर्धारित अपेक्षाओं के अनुरूप लाने को कहा गया है। निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति में उदासीनता पाए जाने पर आगे भी नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।



खडपड़ी के दो स्कूलों में हुआ संयुक्त न्योता भोज

कोण्डागांव। प्राथमिक शाला और माध्यमिक शाला खडपड़ी में संयुक्त रूप से न्योता भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दोनों विद्यालयों के विद्यार्थियों को स्नेहपूर्वक भोजन कराया गया और बच्चों के साथ जन्मदिन की खुशियां साझा की गईं। यह आयोजन भारत राम मंडावी, व्याख्याता के सुपुत्र मयंक मंडावी तथा सतवती कश्यप, प्रधान पाठक की सुपुत्री माही कश्यप के जन्मदिवस के अवसर पर किया गया। दोनों विद्यालयों के विद्यार्थियों ने इस आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

एसीबी ने डीईओ को ट्रैप किया विभाग सस्पेंड करना भूला!

सुकमा। सुकमा जिले के कोंटा के पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) चंद्र कुमार यारदा के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की कार्रवाई के बाद निलंबित करना भूल गया। लिहाजा 27 दिनों तक जेल में रहने के बाद बीईओ जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय में धमक गया। शासन को उक्त अधिकारी के बारे में स्थिति से अवगत भी कराया जा चुका है, लेकिन फिलहाल कोई निर्देश नहीं मिला है। इससे विभाग की कार्यप्रणाली सवाल उठ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, एसीबी ने 2 सितंबर को कथित रिश्वतखोरी के मामले में उक्त अधिकारी को ट्रैप किया था। इसके अगले दिन, 3 सितंबर को जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) कार्यालय की ओर से लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) को पत्र भेजा गया था। जानकारी के मुताबिक, यारदा को 29 सितंबर को जिला एवं सत्र न्यायालय से जमानत मिली थी। इसके बाद वे 14 अक्टूबर को जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में उपस्थित हुए। उनकी उपस्थिति की जानकारी भी उसी दिन डीपीआई को पत्र के माध्यम से भेजे जाने की बात सामने आई है। इन घटनाक्रमों के बावजूद संबंधित मामले में निलंबन की कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। इससे सवाल उठ रहा है कि शासन स्तर पर प्रकरण में क्या कार्रवाई की गई और निर्णय में देरी की वजह क्या है। हालांकि, निलंबन संबंधी आदेश की स्थिति और देरी के कारणों की आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी श्री मंडावी ने बताया कि उनके कार्यालय की ओर से नियमानुसार कार्रवाई के लिए शासन को पत्र भेजा गया था।

- कोंटा के पूर्व बीईओ चंद्र कुमार यारदा के मामले में विभागीय कार्रवाई पर उठे सवाल
- डीईओ ने शासन को पत्र भेजने की बात कही

अच्छा किसान बनकर भी विकसित भारत के सपने में दे सकते हैं योगदान

बिरसा मुंडा के विचारों से प्रेरित होकर विवि में शुरू हुई सामुदायिक खेती

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

भगवान बिरसा मुंडा के विचारों और सामूहिकता के संदेश को जमीन पर उतारने की पहल करते हुए शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में सामुदायिक खेती केंद्र की शुरूआत की गई है। मंगलवार को आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में सांसद महेश कश्यप मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए केवल बड़े पदों पर होना जरूरी नहीं है, बल्कि एक अच्छा किसान बनकर भी देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा सकती है। सांसद श्री कश्यप ने कहा कि सामुदायिक खेती विद्यार्थियों और कर्मचारियों को बेहतर किसान बनने की प्रेरणा देने के साथ सामूहिक प्रयासों का महत्व भी सिखाएगी। उन्होंने सभी से निःस्वार्थ भावना और पूरी लगन के साथ कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोई भी काम छोटा नहीं होता। भगवान बिरसा मुंडा के चित्र के साथ उनके विचारों और चरित्र को भी आत्मसात करना जरूरी है। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा विरासत के संरक्षण के साथ विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों में भागीदारी निभाना हम सभी की जिम्मेदारी ⏭ शेष पेज 10 पर

सांसद ने किया सामुदायिक खेती केंद्र का शुभारंभ



खूंटकट्टी व्यवस्था में छिपा सामूहिकता का संदेश

भगवान बिरसा मुंडा द्वारा प्रोत्साहित खूंटकट्टी व्यवस्था सामुदायिक भूमि और सामूहिक खेती की परंपरा से जुड़ी रही है। इस व्यवस्था में समुदाय के लोग मिलकर संसाधनों का उपयोग करते थे। इसका उद्देश्य प्रकृति और संसाधनों पर सामूहिक अधिकार की भावना को मजबूत करना तथा संकट के समय एक-दूसरे का सहयोग करना था। विश्वविद्यालय में शुरू की गई सामुदायिक खेती की पहल इसी सामूहिकता, श्रम और सहयोग की भावना को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास है।



खबर संक्षेप

मोर मितान अभियान के 11 बीट आरक्षक सम्मानित

कांकेर। मोर मितान कांकेर पुलिस अभियान के तहत पुलिस लाइन कांकेर में बीट आरक्षकों की बैठक आयोजित की गई। पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज बद्रीनारायण मीणा एवं एसपी निखिल राखेचा ने बीट पुलिसिंग की समीक्षा कर अपराधों की रोकथाम, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आमजन से बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने सामुदायिक पुलिसिंग मजबूत करने तथा नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने पर जोर दिया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले 11 बीट आरक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

गोडपाल नाला पुल निर्माण का आज होगा भूमिपूजन

दुर्गूकोंदल। विकासखंड दुर्गूकोंदल अंतर्गत ग्राम पंचायत गोडपाल एवं चाउरगांव क्षेत्र में गोडपाल नाला पुल के सेतु निर्माण कार्य का भूमिपूजन आज गुरुवार 29 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा क्षेत्र के सांसद, विशेष अतिथि भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मंडावी उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोडपाल सरपंच ललेश्वरी जोहन उड़के करेंगी।

बस्तर ओलंपिक के लिए 30 तक होगा पंजीयन

दुर्गूकोंदल। बस्तर ओलंपिक 2026 के तहत दुर्गूकोंदल विकासखंड में 3 और 4 नवंबर को उन्मुक्त खेल मैदान में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। 3 नवंबर को जूनियर और 4 नवंबर को सीनियर वर्ग के मुकाबले होंगे।

पेज 09 के शेष

बस्तर संभाग में अर्नब...

कृषि सलाह जारी की है। केंद्र के अनुसार 29 अक्टूबर को बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा और कोंडागांव जिले के कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा होने की संभावना है। वहीं नारायणपुर जिले में भारी बारिश का अनुमान है। इस दौरान गरज-चमक, वज्रपात और 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका है। हवा के झोंकों की गति 90 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

बिरसा मुंडा के विचारों...

है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने सामुदायिक खेती की खूंटकट्टी व्यवस्था के माध्यम से सामूहिकता का संदेश दिया था। उन्होंने संसाधनों को साझा कर अकाल जैसी आपदाओं का सामना करने की राह दिखाई थी। भगवान बिरसा प्रकृति पर किसी एक व्यक्ति या संस्था के अधिकार के विरोधी थे। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के कर्मचारी सामुदायिक खेती के माध्यम से समाज में सद्भावना, सहयोग और सामूहिकता का संदेश प्रसारित कर सकेंगे। आभार प्रदर्शन करते हुए कुलसचिव शैलेंद्र पटेल ने इस पहल को विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का छोटा सा स्टार्टअप बताया। उन्होंने कहा कि यह प्रयास भविष्य में बड़े सामूहिक कार्यों की प्रेरणा बनेगा। इससे विद्यार्थियों को भी सामूहिक श्रम और खेती के महत्व को समझने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम का संचालन प्रेमजीत निराला ने किया। इस अवसर पर अतिथियों ने पौधरोपण कर सामुदायिक खेती की पहल को आगे बढ़ाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में प्रो. शरद नेमा, डॉ. सजीवन कुमार, सहायक कुलसचिव देवचरण गावड़े, सौरभ शर्मा, डॉ. विनोद कुमार सोनी, डॉ. मणिशंकर मिश्रा, सुकृता तिर्की, डॉ. अभिषेक अवस्थी, डॉ. मुनेश्वर लाल साहू, विजय भारत सहित विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी, अतिथि व्याख्याता, दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नाम परिवर्तन सूचना

मै किसलय गुप्ता (Kislay Gupta), जिसे बदला जाना है नाम क्रिसलय गुप्ता Krishlay Gupta), पिता राजेश गुप्ता, उम्र 21 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 12, गीदम, जिला दंतेवाड़ा छत्तीसगढ़ एतद द्वारा मै पूर्णतः पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करती हूं-

1. मैं छत्तीसगढ़ की स्थायी निवासी हूँ।
2. मेरे पुराना नाम किसलय गुप्ता (Kislay Gupta) है, और मै अपना नाम बदलकर क्रिसलय गुप्ता (Krishlay Gupta) करवाना चाहता हूँ।
3. मेरे पुराने नाम के किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है, और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है।
4. मै नाम बदलकर, यदि कोई गैर कानूनी काम करता हूँ, तो उसके लिए मै पूर्णतः स्वयं जिम्मेदार रहूँगा।
5. मै यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूँ, तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।

किसलय गुप्ता
(Kislay Gupta)

केशकाल में रात 2 बजे से लगातार बारिश, बदले मौसम ने बढ़ाई किसानों की चिंता

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

क्षेत्र में बुधवार रात करीब 2 बजे से लगातार बारिश हो रही है। रात के अंधेरे में शुरू हुआ बारिश का सिलसिला सुबह तक जारी रहने से क्षेत्र में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। लगातार हो रही वर्षा के बीच लोगों की नजरें अब मौसम की स्थिति पर टिकी हुई हैं। वहीं, चक्रवात के संभावित प्रभाव को देखते हुए खेती-किसानी से जुड़े लोगों की चिंता भी बढ़ सकती है।

केशकाल में रात करीब 2 बजे से शुरू हुई बारिश के कारण मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। लगातार वर्षा होने से सामान्य जनजीवन, आवागमन और रोजमर्रा के कामकाज पर असर पड़ने की संभावना है। बारिश का दौर आगे भी जारी रहता है तो लोगों को दैनिक गतिविधियों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

चक्रवात के संभावित प्रभाव के बीच क्षेत्र में वर्षा का दौर जारी, खेतों में तैयार फसल को सुरक्षित रखने की चुनौती



मौसम पर बनी हुई है नजर

केशकाल सहित आसपास के क्षेत्रों में हो रही बारिश के बीच आगामी घंटों के मौसम को लेकर लोगों में उत्सुकता बनी हुई है। हालांकि, केवल बारिश होने के आधार पर इसे चक्रवात का प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं माना जा सकता। इसके लिए मौसम विभाग की आधिकारिक चेतावनी और स्थानीय मौसम संबंधी आंकड़ों की पुष्टि आवश्यक है। फिलहाल क्षेत्रवासियों को सावधानी बरतने, अनावश्यक रूप से खराब मौसम में बाहर निकलने से बचने तथा नदी-नालों और जलभराव वाले स्थानों से दूर रहने की जरूरत है। बारिश के दौरान तेज हवा या बिजली चमकने की स्थिति में खुले मैदान और पेड़ों के नीचे खड़े होने से भी बचना चाहिए। केशकाल में रात 2 बजे से जारी बारिश के बीच अब सभी की नजरें मौसम के अगले रुख पर हैं। यदि वर्षा का सिलसिला लंबा खिंचता है, तो इसका असर जनजीवन के साथ-साथ किसानों की कृषि गतिविधियों पर भी पड़ सकता है।

ऐसे में लोगों के लिए मौसम की ताजा स्थिति और प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों पर ध्यान देना जरूरी है। इस समय बारिश का असर किसानों के लिए विशेष चिंता का विषय बन सकता है। जिन किसानों की फसल खेतों में तैयार है या कटाई की तैयारी चल रही है, उनके लिए मौसम का अचानक बदलना परेशानी बढ़ा सकता है। लगातार बारिश होने से खेतों में खड़ी फसल, काटकर रखी गई उपज और खुले स्थानों पर रखे कृषि उत्पादों को नुकसान पहुंचने की आशंका रहती है।

ऐसे में किसानों को सलाह दी जाती है कि कटी हुई फसल को सुरक्षित और ढके हुए स्थान पर रखें तथा खेतों में पानी जमा होने की स्थिति पर नजर बनाए रखें। मौसम की परिस्थितियों को देखते हुए कृषि संबंधी निर्णय लेने में स्थानीय कृषि विभाग की सलाह उपयोगी हो सकती है।

किसानों और मजदूरों के अधिकारों से जुड़े मुद्दों को ग्रामीणों तक पहुंचाने का प्रयास

लाल सलाम के नारों के साथ एरला से माकड़ी तक निकली सीपीआई की बाइक रैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी सीपीआई जिला परिषद कोण्डागांव के तत्वावधान में मंगलवार को मा माकड़ी कड़ी तहसील क्षेत्र में लाल सलाम के नारों के साथ बाइक रैली निकाली गई। ग्राम एरला से शुरू हुई रैली विभिन्न गांवों से होते हुए माकड़ी तहसील मुख्यालय पहुंची, जहां इसका समापन किया गया। रैली के माध्यम से पार्टी कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों को साम्यवादी विचारधारा से परिचित कराने तथा किसानों, मजदूरों और आम नागरिकों के अधिकारों से जुड़े मुद्दों को उठाने का प्रयास किया।

सीपीआई जिला परिषद कोण्डागांव द्वारा पार्टी की विचारधारा को ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने के उद्देश्य से पिछले वर्ष से मोटरसाइकिल रैलियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में राज्य परिषद सदस्य एवं बस्तर संभाग संयोजक कामरेड तिलक पाण्डे के निर्देश पर माकड़ी क्षेत्र में बाइक रैली निकाली गई।

कई गांवों से होकर पहुंचे कार्यकर्ता



नौ गांवों से होकर माकड़ी पहुंचे कार्यकर्ता

ग्राम एरला से प्रारंभ हुई बाइक रैली तौरेंगा, हिरावण्डी, हिरापुर, कुरलूबहार, इंगरा, धारली, उड़ीदगांव, पीढ़ापाल और कलीबेड़ा होते हुए माकड़ी तहसील मुख्यालय पहुंची। रास्ते में विभिन्न गांवों के चौक–चौराहों पर कार्यकर्ताओं ने रुककर नारे लगाए और ग्रामीणों तक अपनी बात पहुंचाने का प्रयास किया। रैली में शामिल कार्यकर्ता सीपीआई के लाल झंडे और पार्टी के चुनाव चिह्न के साथ मोटरसाइकिलों पर सवार होकर निकले। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने लाल सलाम के नारे लगाए। रैली के माध्यम से ग्रामीणों को पार्टी की विचारधारा और उसके राजनीतिक संघर्षों की जानकारी देने का प्रयास किया गया।

माकड़ी तहसील मुख्यालय में हुआ समापन

विभिन्न गांवों से गुजरने के बाद बाइक रैली माकड़ी तहसील मुख्यालय पहुंची, जहां इसका समापन किया गया। इस आयोजन के माध्यम से सीपीआई ने ग्रामीण क्षेत्रें में अपनी संगठनात्मक उपस्थिति दर्ज कराने और किसानों, मजदूरों तथा आम नागरिकों से जुड़े मुद्दों को लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया।

किसानों और मजदूरों के अधिकारों का उठाया मुद्दा

सीपीआई के अनुसार, रैली का उद्देश्य किसानों, मजदूरों और आम नागरिकों को अन्याय, शोषण तथा अत्याचार के विरुद्ध पार्टी द्वारा किए जा रहे संघर्षों से अवगत कराना था। पार्टी कार्यकर्ताओं ने कहा कि किसानों, मजदूरों और आम लोगों की समस्याओं को उठाना तथा उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करना पार्टी की प्रमुख राजनीतिक गतिविधियों में शामिल है।

जिला पदाधिकारियों सहित कार्यकर्ता हुए शामिल

रैली में सीपीआई के जिला सचिव कामरेड शैलेष, सहायक सचिव कामरेड जयप्रकाश एवं दिनेश सहित सोमारू, बिसम्बर, दूबेश, मानसिंग तथा विभिन्न गांवों से पहुंचे पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी ने रैली के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रें में पार्टी की गतिविधियों और विचारधारा का प्रचार किया।

विधायक टेकाम ने विश्रामपुरी के कुम्हारपारा में किया आंगनबाड़ी भवन का भूमिपूजन

15 फरवरी तक निर्माण पूरा करने का लक्ष्य, विधायक ने किया लोकार्पण का ऐलान

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

केशकाल विधानसभा क्षेत्र के विश्रामपुरी स्थित कुम्हारपारा में आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण की वर्षों पुरानी मांग अब पूरी होने जा रही है। विधायक नीलकंठ टेकाम ने भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस भवन के निर्माण से स्थानीय बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र की सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। साथ ही बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा और देखभाल से जुड़ी गतिविधियों के संचालन के लिए बेहतर आधारभूत सुविधा विकसित होगी।

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान विधायक टेकाम ने निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने की बात कही। उन्होंने 15 फरवरी को आंगनबाड़ी केंद्र भवन का लोकार्पण करने की घोषणा करते हुए कहा कि तय तिथि तक भवन निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि स्थानीय बच्चों को जल्द ही व्यवस्थित भवन की सुविधा मिल सके। आंगनबाड़ी केंद्र छोटे बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता और प्रारंभिक शिक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में कुम्हारपारा में नए भवन का निर्माण स्थानीय परिवारों के लिए उपयोगी साबित होगा।



वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी

वर्षों से इस सुविधा की प्रतीक्षा कर रहे क्षेत्रवासियों को अब नए भवन की सौगात मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम में पुष्पा चांदेकर सरपंच, सेवक राम नेताम, अनिता नेताम, मनाराम मरकाम, किशन पांडे, दुखाराम मरकाम, रविंद्र पांडे, शंभू चांदेकर, जीवन मानिकपुरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे। कुम्हारपारा में आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण की पहल से क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। अब ग्रामीणों की निगाहें निर्माण कार्य के समय पर पूरा होने और निर्धारित तिथि पर भवन के लोकार्पण पर टिकी हैं।

बच्चों की चुप्पी तोड़ने की पहल, पॉक्सो कानून से बताए सुरक्षा के अधिकार

जगदलपुर। बच्चों को लैंगिक अपराधों से सुरक्षित रखने और उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बस्तर द्वारा सुरक्षित बचपन अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शहर के चांदनी चौक स्थित सेंट जेवियर्स विद्यालय में बाल संरक्षण एवं



लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) 2012 को लेकर जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। विद्यालय में इस तरह का यह पहला जागरूकता शिविर था। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश गोविंद कुमार जांगड़े के दिशा-निर्देशन में आयोजित शिविर में प्राधिकरण की सचिव एवं सिविल न्यायाधीश (वरिष्ठ श्रेणी) अंकिता कश्यप मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुईं।

कोण्डागांव में आज रोजगार मेला निजी क्षेत्र के 145 पदों पर होगी भर्ती

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

जिले सहित अन्य जिलों के शिक्षित बेरोजगार युवक–युवतियों को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गुरुवार को जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, कोण्डागांव में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेला सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा। इसमें निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों द्वारा कुल 145 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। रोजगार मेले में विभिन्न कंपनियों द्वारा फील्ड ऑफिसर के 30 पद, कलेक्शन ऑफिसर के 10 पद, सिक्योरिटी गार्ड के 50 पद, सिक्योरिटी सुपरवाइजर के 10 पद, हाउसकीपिंग स्टाफ के 20 पद, टीम मैनेजर के 15 पद तथा ट्रेनिंग ऑफिसर के 10 पदों पर भर्ती की जाएगी।

- आज सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक होगा आयोजन, 8वीं से स्नातक उत्तीर्ण युवाओं को मिलेगा रोजगार का अवसर

इन पदों के लिए अलग–अलग शैक्षणिक योग्यताएं निर्धारित की गई हैं। आठवीं, दसवीं, बारहवीं एवं स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थी पदों की निर्धारित योग्यता के अनुसार रोजगार मेले में भाग ले सकेंगे। अभ्यर्थियों की आयु सीमा सामान्यतः 18 से 50 वर्ष निर्धारित की गई है। रोजगार मेले में कुछ पदों पर बिना अनुभव वाले अभ्यर्थियों को भी अवसर दिया जाएगा। वहीं कुछ पदों के लिए शून्य से एक वर्ष तक का कार्य अनुभव आवश्यक होगा। अभ्यर्थियों का चयन संबंधित कंपनियों द्वारा पदों की योग्यता एवं अन्य निर्धारित मापदंडों के अनुसार किया जाएगा।

रोजगार मेले में शामिल होने वाले इच्छुक युवक–युवतियों को अपने समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्र, रोजगार पंजीयन, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड तथा पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाने होंगे। अभ्यर्थियों को सभी आवश्यक दस्तावेजों की मूल प्रति एवं छायाप्रति के साथ निर्धारित समय पर उपस्थित होने के लिए कहा गया है।

बारिश और ठंडी हवाओं से बढ़ी ठिठुरन अलाव का सहारा ले रहे लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

चक्रवात के प्रभाव से केशकाल क्षेत्र में मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आ रहा है। रात करीब 2 बजे से शुरू हुई बारिश के चलते वातावरण में ठंडक बढ़ गई है। लगातार बारिश और ठंडी हवाओं के कारण लोगों को ठिठुरन का एहसास होने लगा है। मौसम में आए इस बदलाव के बीच लोग ठंड से राहत पाने के लिए अलाव का सहारा लेते दिखाई दे रहे हैं।

बारिश के चलते जहां सड़कों और खुले स्थानों पर लोगों की आवाजाही प्रभावित हो रही है, वहीं सुबह और शाम के समय ठंड का असर भी महसूस किया जा रहा है। कई स्थानों पर लोग आग जलाकर उसके आसपास बैठते नजर आ रहे हैं। चाय की दुकानों, सार्वजनिक स्थानों और घरों के आसपास लोग अलाव के सहारे ठंड से बचने की कोशिश कर रहे हैं। अचानक बदले मौसम ने लोगों को गर्म कपड़े निकालने पर भी मजबूर कर दिया है।

केशकाल सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में मौसम में आए बदलाव का असर आम जनजीवन पर दिखाई दे रहा है। बारिश के कारण दैनिक कामकाज,



बाजार आने-जाने और खुले में काम करने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। विशेषकर दिहाड़ी मजदूरों, छोटे व्यापारियों और सुबह जल्दी घर से निकलने वाले लोगों के लिए ठंड और बारिश चुनौती बन सकती है। वहीं, मौसम के बदलते रुख को देखते हुए किसानों की चिंता भी बढ़ सकती है। खेतों में कटी हुई फसल और कटाई के लिए तैयार धान को सुरक्षित रखने के लिए किसानों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। बारिश की स्थिति को देखते हुए खुले स्थानों पर रखी फसल और कृषि उपज को भीगने से बचाने के लिए उचित व्यवस्था करना जरूरी है। चक्रवात के प्रभाव के बीच लोगों को मौसम संबंधी आधिकारिक चेतावनियों पर ध्यान देने की जरूरत है। बारिश के दौरान अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें तथा बिजली कड़कने की स्थिति में खुले मैदान, पेड़ और बिजली के खंभों के नीचे खड़े न हों। ठंड से बचने के लिए अलाव का इस्तेमाल करते समय आग को सुरक्षित स्थान पर जलाएं और बंद कमरे में धुआं जमा न होने दें। फिलहाल, केशकाल में बदले मौसम के बीच लोग बारिश और ठंड से राहत पाने के लिए अपने-अपने स्तर पर उपाय कर रहे हैं।

दिवंगत श्रमिक के परिवार को मिले 5 लाख रुपए

कोण्डागांव। मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के तहत जिले के दिवंगत निर्माण श्रमिक धनेश बघेल के परिवार को 5 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। कार्यस्थल से घर लौटते समय सड़क दुर्घटना में श्रमिक के असामयिक निधन के बाद उनकी पत्नी एवं उत्तराधिकारी शारदा बघेल को योजना का लाभ मिला है। इस सहायता राशि से कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे परिवार को आर्थिक संबल मिला है।



मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु और दिव्यांग सहायता योजना से हुए लाभान्वित

ग्राम सातगांव, नानीपदर, तहसील कोण्डागांव निवासी धनेश बघेल श्रम विभाग में इलेक्ट्रीशियन के रूप में पंजीकृत निर्माण श्रमिक थे। कार्यस्थल से घर लौटने के दौरान सड़क दुर्घटना में उनका असामयिक निधन हो गया था। परिवार के कमाऊ सदस्य की मृत्यु से आश्रितों के सामने आर्थिक कठिनाइयां उत्पन्न हो गई थीं। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के तहत पात्रता एवं आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण होने के बाद दिवंगत श्रमिक की पत्नी श्रीमती शारदा बघेल को 5 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। निर्माण कार्यों से जुड़े श्रमिकों को विभिन्न जोखिमों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में श्रमिक की असामयिक मृत्यु होने पर परिवार को आर्थिक कठिनाइयों से गुजरना पड़ सकता है। मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के माध्यम से पात्र आश्रित परिवारों को नियमानुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

बस्तर ओलम्पिक के लिए जागरूकता अभियान

खिलाड़ियों से अधिक से अधिक पंजीयन कराने की

विकासनगर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने खिलाड़ियों को किया प्रेरित, सुदूर अंचल की खेल प्रतिभाओं को मिलेगा अवसर



कोण्डागांव। बस्तर ओलम्पिक 3.0 में जिले के अधिक से अधिक खिलाड़ियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार सुबह विकासनगर स्टेडियम में जागरूकता अभियान एवं पंजीयन अपील कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने खिलाड़ियों और आम नागरिकों को बस्तर ओलम्पिक 2026 के महत्व की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक संख्या में पंजीयन कराने के लिए प्रेरित किया।

बस्तर ओलम्पिक 2026 के प्रचार–प्रसार और खिलाड़ियों की सहभागिता बढ़ाने के लिए सुबह 6.30 बजे विकासनगर स्टेडियम में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद कोण्डागांव के अध्यक्ष नरपति पटेल उपस्थित रहे। इस अवसर पर ज्ञानू गोलछा एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई भी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नरपति पटेल ने कहा कि बस्तर ओलम्पिक के माध्यम से सुदूर अंचल के लोगों को खेल गतिविधियों में शामिल होने का अवसर मिल रहा है।



खबर संक्षेप

अंतरजातीय विवाह करने पर कलेक्टर ने किया सम्मानित



बीजापुर। जिला मुख्यालय में सामाजिक समरसता और रूढ़िवादिता को दूर करने की दिशा में एक सराहनीय पहल की गई है। कलेक्टर विश्वदीप द्वारा अंतरजातीय विवाह करने वाले 4 नवविवाहित दंपत्तियों को प्रशस्ति प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान कलेक्टर विश्वदीप ने नवदंपतियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी और समाज में इस प्रकार के सकारात्मक बदलावों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अंतरजातीय विवाह सामाजिक एकता को मजबूत करने और जातिगत भेदभाव को समाप्त करने का एक सशक्त माध्यम है। सहायक आयुक्त देवेन्द्र कुमार ने भी नवविवाहित जोड़ों के इस साहसी और प्रगतिशील कदम की सराहना की। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा अंतरजातीय विवाह को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि समाज में समानता और समरसता का भाव पैदा हो सके। नव विवाहित जोड़ी जिसमें विजय झाड़ी एवं सोनल झाड़ी, गोमास विक्रांत एवं लक्ष्मी गोमास, डिगम्बर साहू एवं रिया किष्टैया, बिजेन्द्र चेन्नूर एवं कौशल्या शामिल है।

एनडीआरएफ-एसडीआरएफ को मुस्तैद रहने के निर्देश

चक्रवात से निपटने कलेक्टर अलर्ट

राहत शिविरों का किया निरीक्षण, कलेक्टर-एसपी का मैराथन दौरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

संभावित चक्रवात 'अर्नब' के मद्देनजर सुकमा जिला प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। कलेक्टर अमित कुमार ने आपदा प्रबंधन की तैयारियों को प्राथमिकता देते हुए पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर के साथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों का मैराथन दौरा

- शिक्षा, बिजली और धान खरीदी की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

किया। इस दौरान कोंटा में स्थापित बाढ़ एवं आपदा राहत शिविरों का निरीक्षण कर राहत और बचाव कार्यों की तैयारियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक संसाधन तैयार रखें और राहत व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।





आपदा प्रबंधन की तैयारियों पर विशेष जोर

संभावित चक्रवात के प्रभाव को देखते हुए कलेक्टर अमित कुमार एवं एसपी मयंक गुर्जर ने कोंटा स्थित आईटीआई और रेस्ट हाउस में बनाए गए बाढ़ एवं आपदा राहत शिविरों का जायजा लिया। अधिकारियों ने शिविरों में उपलब्ध व्यवस्थाओं तथा राहत-बचाव की तैयारियों की जानकारी ली। कलेक्टर ने एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को सतत मुस्तैद रहने और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। सुकमा जिले के संवेदनशील एवं दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदा के दौरान समय पर सहायता पहुंचाना प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण चुनौती है। ऐसे में राहत शिविरों की तैयारियों, बचाव दलों की उपलब्धता और विभागों के बीच बेहतर समन्वय पर प्रशासन का विशेष ध्यान है।

कलेक्टर ने आपात परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां दुरुस्त रखने के

बिजली आपूर्ति और धान खरीदी की समीक्षा

दौरे के अगले चरण में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत बंडा में नवनिर्मित विद्युत उपकेंद्र का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने तकनीकी व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को चारों फीडर शीघ्र चालू करने के निर्देश दिए, ताकि वनांचल क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बेहतर और निर्बाध हो सके। इसके बाद पोषण पुनर्वास केंद्र, कोंटा की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। धान खरीदी केंद्र के औचक निरीक्षण के दौरान समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने तथा किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने देने के निर्देश दिए गए।

जनसुरक्षा और विकास प्रशासन की प्राथमिकता

कलेक्टर अमित कुमार के नेतृत्व में किए गए इस मैदानी निरीक्षण में आपदा प्रबंधन, शिक्षा, स्वास्थ्य-पोषण, विद्युत आपूर्ति और कृषि उपज खरीदी जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि प्राकृतिक आपदा की आशंका के बीच नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही, विकास कार्यों की गुणवत्ता और शासकीय योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना भी प्रशासन की जिम्मेदारी है। दौरे के दौरान कोंटा एसडीएम निधि प्रधान, सीएसईबी के कार्यपालन अभियंता सौरभ विश्वकर्मा, जिला खाद्य अधिकारी रवि कोमरा, एसी ट्राइबल हेमंत सिन्हा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों से संवाद, शिक्षा की गुणवत्ता पर चर्चा

कलेक्टर अमित कुमार एवं एसपी मयंक गुर्जर ने पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास, कोंटा पहुंचकर कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों से बातचीत की। कलेक्टर ने विद्यार्थियों की पढ़ाई, तिमाही परीक्षा के परिणाम और दैनिक अध्ययन की दिनचर्या की जानकारी ली। उन्होंने नियमित अध्ययन और लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करने की प्रेरणा दी। विद्यार्थियों को शासन की ओर से उपलब्ध उच्च शिक्षा, आवास एवं भोजन की सुविधाओं का लाभ उठाने तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए जिला प्रशासन द्वारा संचालित 'क्षितिज कोचिंग' का अधिकतम उपयोग करने की सलाह दी गई। एसपी ने भी अनुशासन, एकाग्रता और खेलकूद के साथ पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। अधिकारियों ने मेस सचिव एवं विद्यार्थियों से भोजन की गुणवत्ता और छात्रावास की सुविधाओं के संबंध में जानकारी लेकर आवश्यक सुधार के निर्देश दिए।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर नजर

दौरे के दौरान कलेक्टर और एसपी ने सीआरपीएफ कैंप रामाराम में निर्माणाधीन 'सेवा डेरा' के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण की प्रगति और गुणवत्ता की समीक्षा करते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। वहीं, कोंटा एसडीएम कार्यालय के सिंगल विंडो कक्ष में नागरिकों से संवाद कर शासकीय सेवाओं को सरल, पारदर्शी और त्वरित बनाने पर जोर दिया।

कृषक उन्नति योजना को बेहतर बनाना किसानों के लिए समृद्धि की दिशा में मील का पत्थर : देव

हरिभूमि न्यूज ⏭ दन्तेवाड़ा



- प्रदेश भाजपाध्यक्ष ने कृषक कल्याण समेत कैबिनेट के सभी निर्णयों पर प्रसन्नता जतायी

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने राज्य सरकार की मंत्रि परिषद द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2026 में कृषक उन्नति योजना और अधिक बेहतर बनाने के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं समूचे मंत्रिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए इसे प्रदेश के अन्नदाताओं के हित में लिया गया दूरदर्शी और ऐतिहासिक फैसला बताया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार सदैव किसानों के कल्याण और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए कटिबद्ध रही है। मंत्रिपरिषद द्वारा किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी सुनिश्चित करने के साथ-साथ योजना के अंतर्गत धान फसल पर आदान सहायता राशि को 'प्रति क्विंटल के स्थान पर प्रति एकड़' के मान से प्रदान करने का निर्णय प्रदेश के लाखों किसानों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। उन्होंने कहा कि इस नीतिगत निर्णय से न केवल किसानों को प्रत्यक्ष प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि फसल विविधीकरण को गति मिलेगी। किसान पारम्परिक खेती के साथ-साथ अन्य लाभकारी फसलों की ओर प्रेरित होंगे। समय पर और उचित अनुपात में सहायता राशि मिलने से किसानों की आय में ठोस वृद्धि होगी और उनका सामाजिक व आर्थिक स्तर मजबूत होगा। किसान उन्नत बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि यंत्रीकरण और आधुनिक तकनीकों में अधिक निवेश करने में सक्षम बनेंगे, जिससे प्रति एकड़ उत्पादकता बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मोदी की गारंटी को पूरा करते हुए प्रदेश की भाजपा सरकार लगातार गांव, गरीब और किसान के उत्थान के लिए ठोस कदम उठा रही है। यह निर्णय साबित करता है कि भाजपा जो कहती है, उसे पूरा करके दिखाती है। उन्होंने कृषक कल्याण समेत सभी 19 जनहितकारी निर्णय के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और मंत्रिपरिषद के प्रति आभार व्यक्त किया।

आत्महत्या की घटना की होगी दण्डाधिकारी जांच

बीजापुर। जिला मुख्यालय बीजापुर स्थित नक्सल पुनर्वास केंद्र में 21 अक्टूबर को आत्महत्या की घटना के संबंध में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी बीजापुर द्वारा दण्डाधिकारी जांच के आदेश दिए गए हैं। घटना की जांच के लिए कार्यपालिक दण्डाधिकारी बीजापुर को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। जारी उद्घोषणा के अनुसार, ग्राम तेलंगापारा, थाना गंगालूर निवासी 26 वर्षीय आत्मसमर्पित नक्सली नरसू बोड्डू, पिता स्वर्गीय लक्ष्मैय्या, फरवरी 2025 में आत्मसमर्पण करने के बाद जुलाई 2026 से पुनर्वास केंद्र बीजापुर में रह रहा था। 21 अक्टूबर को शाम लगभग 7 बजे से 7.15 बजे के बीच उसने पुनर्वास केंद्र में स्वयं के स्नानागार में बंद होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

पटवारी संघ ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम



छत्तीसगढ़ राजस्व पटवारी संघ ने अपनी 4 सूत्रीय लंबित मांगों के निराकरण को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। कलेक्टर के माध्यम से सौंपे गए ज्ञापन में पटवारी संघ ने शासन-प्रशासन से मांगों का समयबद्ध निराकरण करने, पटवारी संवर्ग के प्रति प्रशासनिक उपेक्षा समाप्त करने तथा आंदोलन के दौरान की गई दंडात्मक कार्यवाहियों को निरस्त करने की मांग की है। संघ द्वारा 13 अक्टूबर से प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन आंदोलन किया जा रहा है।

ज्ञापन में संघ ने कहा है कि पटवारी संवर्ग की प्रमुख समस्याओं को पिछले कई वर्षों से उठाया जा रहा है, लेकिन अब तक उनका संतोषजनक समाधान नहीं हो पाया है। बार-बार ज्ञापन देने और अधिकारियों से चर्चा के बावजूद मांगें लंबित रहने से कर्मचारियों में निराशा और असंतोष बढ़ रहा है। संघ की पहली मांग पटवारी संवर्ग से राजस्व निरीक्षक पद पर पदोन्नति की प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ करने की है। संघ के अनुसार, यह मांग पिछले लगभग 8 से 10 वर्षों से लंबित है। दूसरी मांग वर्ष 2017 में ग्रेड-पे संशोधन के बाद वेतन निर्धारण में उत्पन्न विसंगतियों को दूर करने की है। संघ का कहना है कि इन विसंगतियों के कारण कई कर्मचारियों के वेतन निर्धारण में त्रुटियां हुई हैं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। तीसरी मांग पीवी ऐप के स्थान पर डीसीएस के माध्यम से शुद्ध एवं त्रुटिरहित फसल गिरदावरी सुनिश्चित करने की है। संघ ने बताया कि वर्तमान प्रक्रिया में तकनीकी एवं व्यावहारिक कठिनाइयों के कारण फसल गिरदावरी के दौरान समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। विशेष रूप से खसरा विवरण, नक्शा बंटांकन, विवादित कब्जे, न्यायालयीन प्रकरणों तथा तकनीकी त्रुटियों के कारण वास्तविक स्थिति के अनुरूप गिरदावरी दर्ज करने में कठिनाई होती है। संघ ने इन समस्याओं का समाधान कर पारदर्शी एवं विश्वसनीय व्यवस्था लागू करने की मांग की है। चौथी मांग आंदोलन की पृष्ठभूमि में की गई निलंबन, स्थानांतरण तथा कारण बताओ नोटिस संबंधी कार्यवाहियों को निरस्त करने की है। संघ का कहना है कि तकनीकी एवं व्यावहारिक समस्याओं को लेकर उठाई गई मांगों के दौरान विभिन्न जिलों में कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है, जिससे पटवारी संवर्ग में असंतोष व्याप्त है। ज्ञापन में कहा गया है कि पटवारी ग्रामीण स्तर पर राजस्व प्रशासन की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। भूमि अभिलेखों का संधारण, राजस्व प्रतिवेदन, फसल गिरदावरी, आपदा संबंधी कार्य, निर्वाचन दायित्व और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। संघ ने मुख्यमंत्री से चारों मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए समयबद्ध कार्ययोजना जारी करने की अपील की है। कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान संवाद, पारदर्शिता और प्रशासनिक निर्णयों के माध्यम से किया जाना चाहिए, ताकि पटवारी संवर्ग का मनोबल बना रहे और राजस्व प्रशासन का कार्य सुचारु रूप से संचालित हो सके।

आंगनबाड़ी, कार्यकर्ता-सहायिकाओं ने दिया धरना, निकाली रैली

मुख्यमंत्री, महिला-बाल विकास मंत्री के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपालपटनम

आंगनबाड़ी, कार्यकर्ता, सहायिकाओं के संयुक्त मंच के आह्वान पर विकासखंड भोपालपटनम की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं ने अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर

- नियमितीकरण, सम्मानजनक मानदेय और सामाजिक सुरक्षा की मांग

भोपालपटनम के पामभोई क्लब स्थल पर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। धरने के बाद कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर एसडीएम कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के नाम एसडीएम भोपालपटनम को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने शासन से अपनी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संघ की ब्लॉक अध्यक्ष शांता मरकाम, विजय लक्ष्मी ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन में कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को प्रतिदिन कई तरह की व्यावहारिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। महिला एवं बाल विकास विभाग





सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें अपेक्षित सुविधाएं, सम्मानजनक मानदेय और भविष्य की सुरक्षा नहीं मिल पा रही है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से सेवा देने के बावजूद कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं का भविष्य सुरक्षित नहीं है। शासन से उनकी मांग है कि उनके योगदान को देखते हुए नियमितीकरण की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं तथा उन्हें श्रम कानूनों के अनुरूप सुविधाएं प्रदान की जाएं।

मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

प्रदर्शनकारियों ने आशा जताई कि छत्तीसगढ़ शासन उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र निर्णय लेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगों की अनदेखी की गई तो प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार आगे उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

बीमा, पेंशन और पदोन्नति का उठाया मुद्दा

संयुक्त मंच की प्रमुख मांगों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का नियमितीकरण, नियमित किए जाने तक कार्यकर्ताओं को 30 हजार रुपये तथा सहायिकाओं को 25 हजार 500 रुपये मासिक वेतन देना शामिल है। इसके अलावा कार्यकर्ताओं को सुपरवाइजर तथा सहायिकाओं को कार्यकर्ता के पद पर सीधे पदोन्नति देने, पदोन्नति में आयु संबंधी बाध्यता समाप्त करने और समूह बीमा, पेंशन, ग्रेच्युटी एवं भविष्य निधि (पीएफ) की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की गई। संयुक्त मंच ने आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में परिवार के आश्रित सदस्य को तत्काल अनुकंपा नियुक्ति देने तथा सेवानिवृत्ति पर कार्यकर्ताओं को पांच लाख रुपये और सहायिकाओं को तीन लाख रुपये की एकमुश्त राशि प्रदान करने की मांग भी रखी। साथ ही मध्यप्रदेश की तर्ज पर प्रतिवर्ष मानदेय में एक हजार रुपये की वृद्धि किए जाने की मांग ज्ञापन में शामिल की गई। धरना-प्रदर्शन संयुक्त मंच के आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका, ब्लॉक अध्यक्ष शांता मरकाम, विजय लक्ष्मी शुक्ला, सचिव नरेन्द्र दुर्गम, फुलसे राधा, उपाध्यक्ष, ललिता यादव, श्यामा चिन्तूर, अर्चना बाशम, मोरला सरिता, यमनी सैंड्रा, अनीता टिंगे, शांति वाचम, सरस्वती मडे, सरिता पीरला, अनीता सैंड्रा, समू चिड़ेम, ललिता गंधरला, अनीता तलाण्डी, चक्रवर्ती कोरम सदस्य सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं उपस्थित रहीं।

8 महीने बीते, 39 मासूमों का भविष्य भगवान भरोसे

आश्रम शाला में बच्चों के भविष्य से खिलवाड़

मिडिल स्कूल में शिक्षकों का जमघट, लेकिन प्राइमरी स्कूल की एक भी कक्षा में गुरुजी नहीं

हरिभूमि न्यूज : मद्देड़



बीजापुर जिले के भोपालपटनम विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत पामगल शासकीय बालक माध्यमिक आश्रम शाला पामगल प्रायमरी स्कूल में शिक्षा व्यवस्था के बड़े-बड़े दावों की धज्जियां उड़ाती एक दर्दनाक और चिंताजनक तस्वीर आश्रम शाला पामगल से सामने आई है।

स्कूल सत्र 15 जून 2026 चालू हुए कई महीने बीत चुके हैं, लेकिन प्राथमिक स्तर कक्षा 1 से 5 में पढ़ाई कर रहे 39 मासूम बच्चों का भविष्य आज भी अंधेरे में है।

हैरान कर देने वाली बात यह है कि स्कूल सत्र का आधा समय बीत जाने के बाद भी प्राथमिक विभाग में एक भी शिक्षक की नियुक्ति नहीं की गई है। पूर्व में एक शिक्षक की पदस्थापना थी जिनकी पदोन्नति 02/2026 को हुई तब से लेकर आज 10/2026 अक्टूबर माह चल राह हैं अभी तक एक भी शिक्षक की पदस्थ नहीं हुई हैं। विरोधाभास का आलम यह है कि एक तरफ शिक्षकों की भीड़, दूसरी तरफ प्राथमिक कक्षाएं खाली है। आश्रम शाला परिसर की जमीनी हकीकत शिक्षा विभाग की लापरवाही और अव्यवस्था को साफ उजागर करती है। प्राथमिक विभाग कक्षा 1 से 5 कुल 39 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं, लेकिन पढ़ाने के लिए शून्य शिक्षक हैं। मिडिल स्कूल में कक्षा 6 से 8 यहां 4 शिक्षक पदस्थ हैं।

बच्चों की कुल आंकड़ा पूरे स्तर पर 67 बच्चे दर्ज है। मिडिल स्कूल में पुरुष शिक्षक 3 महिला शिक्षक 1 पदस्थ होने के बावजूद इस आश्रम शाला के प्राथमिक विभाग को एक भी शिक्षक नसीब नहीं हुआ है। एक ही परिसर में मिडिल स्कूल के लिए शिक्षक मौजूद हैं, जबकि नीव मजबूत करने वाली प्राथमिक कक्षाओं में ताला लटकने जैसी नौबत है। ऐसे में सवाल उठता है कि बिना शिक्षकों के 39 बच्चे स्कूल में क्या सीख रहे हैं। अधिकारियों के दरवाजों पर कागजी चक्कर पर कोई सुनवाई नहीं। सीएसी के द्वारा कई बार उच्च अधिकारी को अवगत कराया गया शिक्षक की कमी को ले कर मगर अभी तक पदस्थापना नहीं हुई हैं।

शासकीय बालक माध्यमिक आश्रम शाला, प्राथमिक शाला पामगल के बच्चों के भविष्य को लेकर विकासखंड शिक्षा अधिकारी को कई बार लिखित आवेदन दिए हैं। इसके बावजूद महकमे की नींद नहीं टूटी।

विभागीय उदासीनता का आलम यह है कि महीनों बीत जाने के बाद भी प्राथमिक स्तर के बच्चों के लिए एक अदद शिक्षक तक की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की जा सकी है।

मोदी की गारंटी पर उठे सवाल

गीदम। केंद्र सरकार द्वारा 28 अक्टूबर को केंद्रीय कर्मचारियों एवं पेंशनरों के लिए महंगाई भत्ता और महंगाई राहत में 3 प्रतिशत की वृद्धि करने के बाद छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों में केंद्र के समान डीए की मांग तेज हो गई है। केंद्र ने डीए 60 प्रतिशत से बढ़ाकर 63 प्रतिशत कर दिया है, जो 1 जुलाई से प्रभावी होगा। वहीं छत्तीसगढ़ में कर्मचारियों का डीए



58 प्रतिशत रहने से केंद्र और राज्य के बीच 5 प्रतिशत का अंतर हो गया है। छत्तीसगढ़ शालेय शिक्षक संघ जिला इकाई दंतेवाड़ा के जिलाध्यक्ष संतोष मिश्रा ने राज्य सरकार से केंद्र के समान महंगाई भत्ता देने और लंबित एरियर के शीघ्र भुगतान की मांग की है। संघ ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने मोदी की गारंटी के तहत कर्मचारियों को केंद्र के समान डीए देने का वादा किया था, लेकिन वह पूरा नहीं हो पाया है। इससे शिक्षकों, कर्मचारियों और पेंशनरों में निराशा है। जिलाध्यक्ष मिश्रा ने कहा कि जब महंगाई का असर केंद्र और राज्य दोनों के कर्मचारियों पर समान है, तो भत्ते में अंतर क्यों? खाद्य सामग्री, पेट्रोलियम, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती कीमतों से हर परिवार प्रभावित है।



खबर संक्षेप

पूर्व विधायक राजमन ने किया जनसंपर्क



जगदलपुर। चित्रकोट विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक राजमन बेंजाम ने बास्तानार विकासखंड के ग्राम कुचेपाल, बोदेनार और बड़े काकलुर में जनसंपर्क कर ग्रामीणों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने समस्याओं, विकास कार्यों और क्षेत्र की मौजूदा परिस्थितियों पर चर्चा की। जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों को सामने रखा। वहीं, कार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विचार-विमर्श हुआ। इस दौरान जनपद सदस्य बेड़ता पोयाम काकलुर के सरपंच रविन्द्र मरकाम कुचेपाल सरपंच दिनेश पोड़ियाम,उपसरपंच बुधराम,बुदु पोयाम एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कुपेर में महिलाओं को मिला वनोपज प्रसंस्करण का प्रशिक्षण

गीदम। एजुकेशन सिटी जावंगा स्थित एनएमडीसी डीएवी पॉलिटेक्निक द्वारा ग्राम कुपेर में वनोपज प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुकेश ठाकुर के मार्गदर्शन और ऋतुराज चंद्राकर के समन्वय में हुए इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं व युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ना था। इसमें ग्रामीणों को महुआ और इमली के वैज्ञानिक संग्रहण, पैकेजिंग व विपणन की जानकारी दी गई। कृषि विज्ञान केंद्र की वैज्ञानिक खेमलता ठाकुर ने खाद्य स्वच्छता और रजिया शेख ने उत्पाद विकास पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। सुरेश कुमार और प्रवीण कुमार निषाद ने सोलर ड्राइंग तकनीक व सुरक्षित भंडारण के गुर सिखाए।

कचनार लैम्प्स का खाद घोटाला, किसान को कई महीनों तक चक्कर कटवाए

जाली दस्तखत कर हड़प ली खाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर ब्लॉक में सरकारी खाद वितरण को लेकर गंभीर मामला सामने आया है। कचनार लैम्प्स से एक किसान के नाम पर कथित तौर पर जाली हस्ताक्षर कर 11 हजार 359 रुपए का खाद निकाले जाने और इसकी रकम उसके लोन खाते में चढ़ाने का आरोप लगा है।

- सहकारी समिति ने जाली दस्तखत कर लोन खाते से उड़ा दिए 11 359 रुपए

किसान को मामले की जानकारी बैंक खाते का स्टेटमेंट देखने पर हुई। हालाकिं शिकायत सामने आने के बाद लैम्प्स प्रबंधन ने संबंधित रकम किसान के खाते में वापस जमा कर दी है।

मामला कचनार गांव के किसान श्यामलाल कश्यप से जुड़ा है। उनका आरोप है कि खेती के लिए सरकारी खाद लेने वह कई महीनों तक लैम्प्स के चक्कर लगाते रहे लेकिन कभी स्टॉक नहीं आने तो कभी खाद खत्म होने की बात कहकर उन्हें लौटा दिया गया।

बाहर से महंगे दाम पर खरीदना पड़ा

खाद श्यामलाल का कहना है कि खेती का समय निकलता जा रहा था इसलिए मजबूरी में उन्हें बाजार से अधिक कीमत देकर पोटाश, यूरिया, डीएपी समेत अन्य खाद खरीदना पड़ा। बाद में जब उन्होंने अपने बैंक खाते का स्टेटमेंट निकलवाया तो उसमें कचनार लैम्प्स से उनके नाम पर 11,359 रुपए का खाद खरीदा जाना दर्ज मिला। खाद खरीदी से संबंधित रसीद की जानकारी लेने पर उसमें भी अपने कथित जाली हस्ताक्षर होने की बात सामने आने का दावा उन्होने किया है। किसान का आरोप है कि उनके हिस्से का सरकारी खाद किसी अन्य व्यक्ति को देकर या बाहर बेचकर उनके नाम पर खरीदी दर्शाई गई।



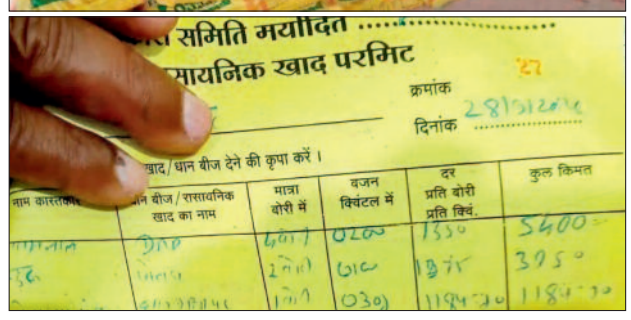

थाने पहुंचा मामला, जांच की मांग

श्यामलाल कश्यप ने लैम्पस के अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए बस्तर थाने में आवेदन दिया है। कचनार के अन्य किसानों ने भी मामले की जांच कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की है। किसानों का कहना है कि जब एक किसान के नाम पर इस तरह खाद खरीदी दर्ज होने का मामला सामने आया है, तो यह भी जांच होनी चाहिए कि क्षेत्र के दूसरे किसानों के खातों में ऐसी कोई गड़बड़ी तो नहीं हुई। उन्होंने प्रशासन से कचनार लैम्प्स में खाद वितरण और उससे जुड़े रिकॉर्ड की विभागीय जांच कराने की मांग की है।

लैम्प्स पहुंचकर किसान ने जताई नाराजगी

मामले की जानकारी लगने के बाद श्यामलाल कश्यप कचनार लैम्प्स पहुंचे और वहां इस पर नाराजगी जताई। किसान के मुताबिक लैम्प्स के कर्मचारियों ने इसे गलती बताते हुए उनके लोन खाते में चढ़ी रकम वापस करने की बात कही। मामला सामने आने के बाद लैम्प्स प्रबंधन की ओर से 11 हजार 359 रुपए किसान के संबंधित खाते में वापस जमा कर दिए गए। हालांकि किसान ने इसे केवल गलती मानने से इनकार करते हुए पूरे मामले की जांच की मांग की है।

प्रबंधक बोलीं गलती से हुआ

कचनार लैम्प्स प्रबंधक ललिता राव ने मामले को गलती से होना बताया है। उनके मुताबिक किसान के खाते में दिखाई गई 11,359 रुपए की रकम वापस कर दी गई है। हालांकि खाद खरीदी की रसीद पर किसान के कथित जाली हस्ताक्षर किसने किए इस संबंध में उन्होंने जानकारी नहीं होने की बात कही। फिंगरप्रिंट के जरिए खाद वितरण के नियम को लेकर प्रबंधक ने बताया कि खाद वितरण का अंतिम समय होने के कारण कुछ किसानों को बिना फिंगरप्रिंट के भी खाद दिया गया था। वहीं श्यामलाल कश्यप के नाम पर दर्ज खाद आखिर किसे दिया गया इसे लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है।

बस्तर में कंदीय फसलों व सुगंधित धान पर फोकस



हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. विवेक त्रिपाठी एवं संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. एसएस टुटेजा ने परिक्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र जगदलपुर का निरीक्षण कर यहां संचालित अनुसंधान एवं कृषि विस्तार गतिविधियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने प्रक्षेत्र का भ्रमण

- किसानों की आय बढ़ाने पर कृषि विश्वविद्यालय का जोर

कर विभिन्न फसलों पर चल रहे अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया और वैज्ञानिकों को बस्तर की स्थानीय जलवायु एवं कृषि परिस्थितियों के अनुरूप किसानोपयोगी अनुसंधान को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बस्तर में कंदीय फसलों की खेती के विस्तार को लेकर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र की अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए कंदीय फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के साथ इनके व्यावसायिक उत्पादन की संभावनाएं भी विकसित की जानी चाहिए। बैठक में रबी फसलों की कम उत्पादकता की समस्या पर भी विस्तार से चर्चा हुई। वैज्ञानिकों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल उन्नत किस्मों के विकास, वैज्ञानिक उत्पादन तकनीकों और बेहतर जल प्रबंधन पर अनुसंधान करने के निर्देश दिए गए। वहीं बस्तर में सुगंधित धान की खेती का रकबा बढ़ाने और किसानों को इसके माध्यम से बेहतर बाजार मूल्य दिलाने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने फसल विविधीकरण एवं एकीकृत कृषि प्रणाली को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। इसके तहत फसल उत्पादन के साथ पशुपालन, उद्यानिकी और अन्य कृषि आधारित गतिविधियों को जोड़कर किसानों की आय के एक से अधिक स्रोत विकसित करने पर बल दिया गया।

दशहरा की रस्मों में बस्तर सांस्कृतिक सुरक्षा मंच के स्वयंसेवकों ने निभाई अहम भूमिका

जगदलपुर। विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा के विभिन्न आयोजनों में बस्तर सांस्कृतिक सुरक्षा मंच के लगभग 350 स्वयंसेवकों ने सक्रिय भूमिका निभाई। पर्व की शुरूआत से लेकर मां मावली एवं मां दंतेश्वरी के छत्र डोली की विदाई तक स्वयंसेवक पूरी निष्ठा से व्यवस्थाओं में जुटे रहे।

दूर-दराज के गांवों से आए देवी-देवताओं एवं उनके सेवकों को निर्धारित स्थानों तक पहुंचाने और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को नियंत्रित करने में स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। सदस्यों ने पूरे अनुशासन और सेवाभाव से जिम्मेदारियों का निर्वहन किया, जिससे व्यवस्थाएं बेहतर रहीं। छत्र डोली की विदाई के भावुक



क्षणों में स्वयंसेवकों ने साष्टांग प्रणाम कर आराध्य देवियों के प्रति अगाध श्रद्धा प्रकट की। मंच की यह सहभागिता बस्तर की अनूठी संस्कृति और धार्मिक विरासत के संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

बस्तर में 'माटी पुजारी' की उपाधि पर छिड़ी बहस

राजपरिवार और आदिवासी समाज के दावे अलग

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर दशहरा के समापन के बाद अब 'माटी पुजारी' की उपाधि को लेकर चर्चा तेज हो गई है। बस्तर की

- कमलचंद्र भंजदेव के दावे पर संरक्षक बलदेव मौर्य ने उठाए सवाल

धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं में विशेष स्थान रखने वाले इस पद को लेकर अलग-अलग दावे सामने आने से नया मोड़ आ गया है।

आदिवासी समाज के संरक्षक बलदेव मौर्य ने राजपरिवार के दावों



पर असहमति जताई है। मौर्य का कहना है कि माटी पुजारी की परंपरा का संबंध ऐतिहासिक धार्मिक दायित्वों से है। उनके अनुसार, रुद्र प्रताप देव ही माटी पुजारी थे और उनके बाद किसी को यह उपाधि नहीं मिली। उन्होंने तर्क दिया कि परिवार में जन्म लेने या घरजमाई होने मात्र से किसी को यह दर्जा नहीं दिया जा सकता।

दूसरी ओर, बस्तर राजपरिवार के कमलचंद्र भंजदेव स्वयं को मां दंतेश्वरी का माटी पुजारी बताते हैं। इस विरोधाभास के बाद बस्तर में यह बहस शुरू हो गई है कि इस उपाधि का वास्तविक आधार वंश परंपरा है, कोई विशिष्ट धार्मिक दायित्व या फिर ऐतिहासिक मान्यता? स्थानीय स्तर पर अब इस विवाद को सुलझाने के लिए ऐतिहासिक दस्तावेजों और पारंपरिक मान्यताओं को खंगालने की मांग उठ रही है।



बाढ़ पीड़ितों का राशन दफ्तर में सड़ने का आरोप, जांच और कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

नगर पालिक निगम के नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी ने बाढ़ पीड़ितों के लिए आई खाद्य सामग्री के वितरण में लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि जरूरतमंदों के लिए प्राप्त राहत सामग्री निगम कार्यालय में रखे-रखे खराब हो रही है, जो प्रशासनिक विफलता और असंवेदनशीलता का बड़ा प्रमाण है।



चौधरी ने सवाल उठाया कि जब आपदा के दौरान प्रभावित गरीब परिवारों को भोजन की सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब इस सामग्री का वितरण क्यों नहीं किया गया? क्या निगम प्रशासन के पास वितरण की कोई ठोस कार्ययोजना नहीं थी? यदि किसी लापरवाही के कारण राशन खराब हुआ है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? उन्होंने महापौर से चुप्पी तोड़कर वस्तुस्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। जनता को बताया जाए कि कुल कितनी राहत सामग्री मिली थी, उसमें से कितनी बांटी गई और कितनी बर्बाद हुई।

नेता प्रतिपक्ष ने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों पर तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही बचे हुए उपयोगी राशन को तुरंत पीड़ित परिवारों तक पहुंचाने का आग्रह किया है, ताकि जरूरतमंदों को उनका अधिकार मिल सके।

चक्रवात और भारी बारिश की आशंका से बस्तर में अलर्ट, प्रशासन सक्रिय

जगदलपुर। मौसम विभाग द्वारा 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, मूसलाधार बारिश और जलभराव की चेतावनी जारी करने के बाद जिला प्रशासन द्वारा सजगता बरतने सहित किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए समुचित तैयारी कर ली गई है। कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशानुसार कलेक्टोरेट स्थित प्रेरणा कक्ष में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में जिला पंचायत सीईओ तन्मय खन्ना ने निर्देशित किया कि पूर्व तैयारी आपदा के अनुमान से कहीं अधिक मजबूत होनी चाहिए, ताकि जनहानि न हो और जीरो कैजुअल्टी सुनिश्चित किया जा सके।बैठक के दौरान आपदा प्रबंधन के तहत विशेष रूप से अत्यधिक संवेदनशील इलाकों से नागरिकों को समय रहते राहत शिविरों में पहुंचाने की रणनीति बनाई गई। स्वास्थ्य अमले को हाई अलर्ट पर रखते हुए सभी अस्पतालों में पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। किसी भी मानवीय संकट को टालने के लिए प्रसव की संभावित तारीख वाली गर्भवती महिलाओं और गंभीर मरीजों को पहले से ही नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में शिफ्ट किया जा रहा है।



